

पक्षी कॉफी की फसल को बचाते हैं

कोस्टा रिका में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि वार्बलर नामक पक्षी कॉफी को एक नाशी कीट के प्रकोप से बचाने में प्रत्यक्ष भूमिका निभाते हैं। कॉफी का यह कीट दरअसल एक गुबरैला है जो उसके फल (बेरी) में छेद करके नुकसान पहुंचाता है।

इकॉलॉजी लेटर्स नामक शोध पत्रिका में प्रकाशित शोध पत्र में बताया गया है कि वार्बलर पक्षी एक मध्यम आकार के कॉफी बागान में इस बेरी छेदक गुबरैले की वजह से होने वाले नुकसान में 9400 डॉलर तक की बचत करता है। इस अध्ययन के मुखिया स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के डेनिसल कार्प का मत है कि “इस अध्ययन से पता चलता है कि देशी वन्य जीव आपको काफी नगद लाभ पहुंचा सकते हैं।”

यह बेरी छेदक कीट मूलतः अफ्रीका का है और अब लगभग सारे कॉफी उत्पादक क्षेत्रों में फैल चुका है। बेरी छेदक लगभग सारे कीटनाशकों का प्रतिरोधी है और कॉफी की फसल को 77 प्रतिशत तक नुकसान पहुंचाता है। इसके नियंत्रण में पक्षियों की भूमिका को समझने के लिए कार्प और उनके साथियों ने कोस्टा रिका के दो कॉफी बागानों को जाली से ढंक दिया। जाली ऐसी थी कि पक्षी उसके अंदर नहीं जा सकते थे।

जाली से ढंकने के बाद देखा गया कि पक्षियों की

अनुपस्थिति में कीट प्रकोप लगभग दुगना हो गया। जहां पहले 4.6 प्रतिशत बेरियों को खाया जा रहा था वहीं पक्षियों की अनुपस्थिति में 8.5 प्रतिशत बेरियां कीटों की शिकार हुईं।

बात को और गहराई से समझने के लिए कार्प और उनके साथियों ने वार्बलर पक्षियों की बीट का भी विश्लेषण किया। बीट में उन्होंने गुबरैलों के डीएनए की उपस्थिति की जांच की तो पाया कि पीला वार्बलर और चार अन्य प्रजातियों के पक्षी गुबरैलों का भक्षण करते हैं।

इसके बाद शोधकर्ताओं ने पक्षियों की संख्या, वनाच्छादन और गुबरैला संख्या के बीच सम्बंध देखने की कोशिश की। पता चला कि जहां कॉफी बागान के आसपास जंगल की पट्टियां थीं वहां गुबरैला-भक्षी पक्षियों की संख्या ज्यादा थी और जहां कॉफी बागान के आसपास जंगल नहीं थे वहां कीट प्रकोप भी थोड़ा ज्यादा था।

अन्य इकॉलॉजीविदों का मत है कि यह अध्ययन इतना तो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि पक्षी कॉफी को कीट प्रकोप से बचाने में मददगार हैं मगर अभी भी आसपास जंगलों की उपस्थिति का असर साफ तौर पर प्रमाणित नहीं हुआ है। कार्प का कहना है कि पक्षियों के लिए जंगली प्राकृतवास ज़रूरी है और यह एक महत्वपूर्ण कड़ी है। (स्रोत फीचर्स)

